

---

# Shri Niladrinatha Vishnu Stuti

श्रीनीलाद्रिनाथविष्णुस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Shri Niladrinatha Vishnu Stuti 03 17

File name : nIlAdrinAthaviShNustutiH.itx

Category : vishhnu, stuti

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 03-17

Latest update : August 14, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Niladrinatha Vishnu Stuti

---

## श्रीनीलाद्रिनाथविष्णुस्तुतिः

---



रक्ताम्बोरुडर्पभञ्जनमडासौन्दर्यनेत्रद्वयं  
मुक्ताडारविलम्बितेभमकुटं रत्नोज्ज्वलत्सुडलम् ।  
वर्षाम्बोदसमाननीलवपुषं अवेयडारान्वितं  
शम्भञ्चक्रधरं प्रसन्नवदनं नीलाद्रिनाथं भजे ॥ १ ॥

नीलाद्रौ शङ्खभमध्ये शतदलकमले रत्नसिंहासनस्थं  
सर्वालङ्कारयुक्तं नवधनरुचिरं संयुतं जाग्रतेन याग्रजेन ।  
भद्रा यद्गामभागे रथथरत्नयुतं ब्रह्मरुद्रेन्द्रवन्द्यं  
वेदानां सारमीशं स्वजनपरिवृतं ब्रह्मधारं स्मरामि ॥ २ ॥

उद्यन्नीरदनीलसुन्दरतर्नु पूर्णेन्दुभिम्भाननं  
राज्ज्वोत्पलपत्रनेत्रयुगलं कारुण्यवारान्निधिम् ।  
भक्तानां सकलार्तिनाशनकरं चिन्तार्तचिन्तामणि  
वन्दे श्रीपुरुषोत्तम प्रतिनिधिं नीलाद्रियूडामणिम् ॥ ३ ॥

कुलेन्दीवरलोक्यनं नवधनश्यामाभिरामाकृति  
विश्वेशं कमलाविलोवलिलसत्पादारविन्दद्वयम् ।  
द्वैत्यारिं कमलेन्दुमण्डितमुषं शयकाञ्जलस्तद्वयं  
वन्दे श्रीपुरुषोत्तम प्रतिनिधिं लक्ष्मीविलासालयम् ॥ ४ ॥


स्वपन रङ्गे जायधेदुसरसि तिष्ठन् वृषगिरौ  
प्रयागे सम्मज्जन्नथ बदरभूमीषु य जपन् ।  
जगन्नाथे भुञ्जन् शतपदमयोध्यामधिवसन्  
सदा द्वारावत्यां विहरति सलीलं यदुपतिः ॥ ५ ॥


कुन्दाभं द्विभुज त्रिभङ्गिललितं शान्तं जटाकुञ्चित  
स्तब्धोत्रमनिन्दितांसयुगलं पीताम्बर सुन्दरम् ।  
ताश्चे य कटीतटे कुतकरुद्वन्द्वं त्रिनेत्रस्थितं  
सिंहाद्रौ शीघ्रपातक्षितिपिडितपदः पातु मां नारसिंहः ॥ ६ ॥

ઇતિ શ્રીનીલાદ્રિનાથ વિષ્ણુસ્તુતિઃ સમ્પૂર્ણા ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

——  
*Shri Niladrinatha Vishnu Stuti*  
pdf was typeset on August 14, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

